न्यूज़ टुडे

इसरो ने स्पेडेक्स उपग्रह को सफलतापूर्वक अनडॉक किया

इससे पहले, इसरो ने **जनवरी 2025 में SDX01 (चेजर) और SDX02 (टारगेट) नामक दो उपग्रहों की सफलतापूर्वक डॉकिंग** की थी।

- इस उपलब्धि के साथ भारत **संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक प्रदर्शित करने वाला चौथा देश** बन गया।

स्पेडेक्स (SpaDeX) मिशन के बारे में

- **इसका उद्देश्य:**
  - अंतरिक्ष में दो छोटे उपग्रहों SDX01 (चेजर) और SDX02 (टारगेट) की डॉकिंग;
  - स्वतः संचालित तरीके से दूसरे उपग्रह (टारगेट) के पास आना एवं उससे सटीकता के साथ जुड़ जाना; तथा
  - अनडॉकिंग क्षमताओं को विकसित और प्रदर्शित करना है।
- इन उपग्रहों को **PSLV-C60 रॉकेट** के जरिए लॉन्च किया गया था।
- स्पेडेक्स अंतरिक्ष यान को **यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर (URSC), बेंगलुरु** द्वारा इसरो के अन्य केंद्रों (VSSC, LPSC, SAC, IISU, और LEOS) के सहयोग से डिजाइन एवं निर्मित किया गया है।
  - URSC वर्ष **1976** में स्थापित इसरो का प्रमुख केंद्र है। यह संचार, नेविगेशन, रिमोट सेंसिंग और वैज्ञानिक परीक्षण संबंधी छोटे उपग्रहों को डिजाइन, विकसित, असेम्बल व एकीकृत करने का कार्य करता है।

स्पेडेक्स में तकनीकी नवाचार पर एक नजर

- **डॉकिंग मैकेनिज्म: इसमें अंतरिक्ष यान के बीच सुचारू कनेक्शन** के लिए कम-से-कम झटकों के साथ एंड्रोजिनस डॉकिंग प्रणाली शामिल है।
- **इंटर-सैटेलाइट कम्युनिकेशन लिंक (ISL):** यह उपग्रहों के बीच **वास्तविक समय में डेटा हस्तांतरण को सक्षम** बनाता है ।
- **GNSS-आधारित सापेक्ष कक्षा निर्धारण:** यह डॉकिंग के दौरान **सटीक नेविगेशन और नियंत्रण** सुनिश्चित करता है।
- **पावर ट्रांसफर टेक्नोलॉजी:** यह डॉक किए गए उपग्रहों के बीच **पावर या ऊर्जा के ट्रांसफर को संभव** बनाती है।
- **ऑटोनोमस रेंडेज़वस और डॉकिंग एल्गोरिदम:** इसका उपयोग कक्षा में उपग्रहों के मध्य सटीक सापेक्ष अवस्थिति और वेग निर्धारित करने के लिए किया जाता है।

स्पेडेक्स मिशन का महत्त्व

भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को सक्षम बनाना
यह **डीप स्पेस मिशन जैसे चंद्रमा से सैंपल को धरती पर लाना और अंतरग्रहीय अन्वेषण** में सहायक होगा।

मानवयुक्त चंद्र मिशनों का समर्थन
यह तकनीक भविष्य में **गगनयान और अन्य मानव युक्त अंतरिक्ष अभियानों** के लिए बहुत जरूरी होगी।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का विकास
इससे **भारत के प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन** को बनाने में मदद मिलेगी।

अंतरिक्ष में उपग्रहों की मरम्मत और रोबोटिक्स को आगे बढ़ाना
यह उपग्रहों की मरम्मत हेतु **रोबोटिक्स और पावर ट्रांसफर** का प्रदर्शन करता है।

डॉकिंग के बाद के किए जाने वाले कार्य

- डॉकिंग और अनडॉकिंग के बाद, उपग्रह स्वतंत्र पेलोड के रूप में अपने निम्नलिखित कार्यों को जारी रखेंगे:
  - **हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग (SDX01 या चेंजर):** पृथ्वी के पर्यवेक्षण के लिए इमेज को कैप्चर करना।
  - **मल्टी-स्पेक्ट्रल पेलोड (SDX02 या टारगेट):** प्राकृतिक संसाधनों और वनस्पति की निगरानी करना।
  - **रेडिएशन मॉनिटरिंग (SDX02):** भविष्य के मानव युक्त मिशनों के लिए अंतरिक्ष संबंधी विकिरण का अध्ययन करना।

जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति ने जल शक्ति मंत्रालय की अनुदान मांगों (2025-26) पर अपनी चौथी रिपोर्ट पेश की

इस रिपोर्ट में जल क्षेत्रक में सरकार की प्रमुख पहलों और उनके समक्ष विद्यमान चुनौतियों को रेखांकित किया गया है। साथ ही, इन पहलों को प्रभावी बनाने के लिए सिफारिशें भी की गई हैं।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **निधि का बेहतर ढंग से उपयोग न करना:** 2024-25 के लिए आवंटित बजट का केवल 60% ही तीन तिमाहियों के अंत तक उपयोग किया गया था।
- **जल क्षेत्रक में मौजूद चुनौतियां:** प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता में कमी, गुणवत्ता में गिरावट, भू-जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन तथा जल के उपयोग से संबंधित सुविधाओं की तुलनात्मक रूप से कम दक्षता।
  - **सिफारिश:** इन चुनौतियों के समाधान के लिए **राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन** करना चाहिए और उसका बेहतर तरीके से कार्यान्वयन करना चाहिए।
- **नमामि गंगे मिशन-II:** नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों **की गुणवत्ता, कार्यान्वयन एवं निगरानी** के लिए जिलों के सांसदों/ विधायकों की एक समिति गठित की जानी चाहिए।
- **बांध सुरक्षा:** बांध सुरक्षा पर राज्य समितियों (SCDSs) और राज्य बांध सुरक्षा संगठनों (SDSOs) में कर्मचारियों की कमी के कारण बांध सुरक्षा अधिनियम का कार्यान्वयन प्रभावित हो रहा है।
  - **सिफारिश:** राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (NDSA) के तहत **निकायों/ संगठनों में स्थानीय जन-प्रतिनिधियों** को शामिल किया जाना चाहिए।
- **वर्षा जल संचयन:** राष्ट्रीय जल मिशन (NWM) से राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों को कोई समर्पित वित्तीय सहायता नहीं मिलती है।
- **बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (FMBAP):** आवंटित निधि का कम उपयोग FMBAP के कार्यान्वयन में बाधा डालता है। इसके अलावा, **सीमा-पार नदियों से जुड़े मुद्दे** (जैसे कि जल प्रबंधन एवं बांधों का संचालन) कई बार बाढ़ का कारण बनते हैं।
  - **सिफारिश: जल शक्ति मंत्रालय** और **विदेश मंत्रालय** को एक स्वतंत्र पहल के रूप में **सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन** का कार्यान्वयन करना चाहिए।

लैंसेट की एक रिपोर्ट के अनुसार क्लिनिकल ट्रायल्स में 73% भारतीय रोगियों पर CAR-T थेरेपी कारगर रही

ये परिणाम इस थेरेपी के चरण-I और चरण-II ट्रायल्स से सामने आए हैं। इन ट्रायल्स में शोधकर्ताओं द्वारा इस थेरेपी के उपयोग के संबंध में सुरक्षा से जुड़े पहलू और प्रभावशीलता का आकलन किया गया है।

इस रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **कम लागत:** इस उपचार की लागत वैश्विक स्तर पर उपलब्ध समान उपचारों की तुलना में 1/20 है।
- **साइड इफेक्ट्स एवं जोखिम:** अध्ययन में सबसे आम दुष्प्रभावों या साइड इफेक्ट्स में 61% रोगियों में **एनीमिया** का होना, 65% में **प्लेटलेट्स की कम** संख्या, **श्वेत रक्त कोशिकाओं की कम संख्या** होना आदि शामिल हैं।

CAR (कैमेरिक एंटीजन रिसेप्टर) T-सेल थेरेपी के बारे में

- यह **प्रतिरक्षा कोशिकाओं विशेष रूप से T-कोशिकाओं** को शक्तिशाली कैंसर-विरोधी कोशिकाओं में परिवर्तित कर देती है, जिन्हें CAR-T कोशिकाएं कहा जाता है।
  - T-कोशिकाएं (सेल्स) **विशेष कोशिकाएं** होती हैं। ये **श्वेत रक्त कोशिकाओं का एक प्रकार** है। इनका प्राथमिक कार्य **साइटोटोक्सिक** होता है, अर्थात अन्य कोशिकाओं को नष्ट करना।
- यह उपचार **विशिष्ट प्रकार के रक्त कैंसर** के लिए सृजित किया गया है। यह उन रोगियों को दिया जाता है जिनका कैंसर या तो फिर से उभर आया है या जिन पर प्रथम उपचार का कोई असर नहीं हुआ है।

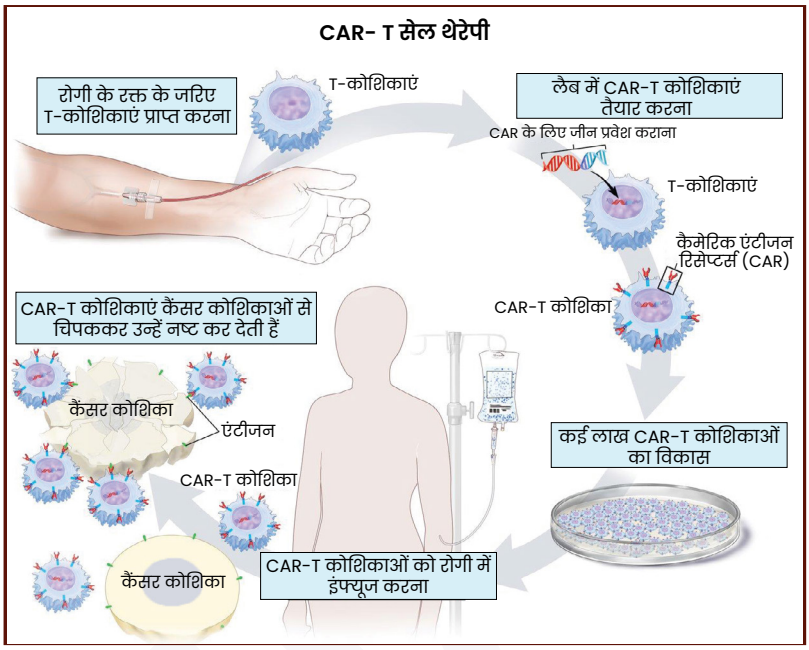

CAR-T सेल थेरेपी के लाभ

- **कम समय में इलाज:** कीमोथेरेपी या स्टेम सेल प्रत्यारोपण के विपरीत यह तेजी से ठीक होने में मदद करती है।
- **निरंतर लाभ देने वाली एक "लिविंग ड्रग':** CAR T-सेल्स शरीर में बनी रहती हैं, तथा कैंसर के दोबारा उभरने के खिलाफ दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।

CAR T-सेल थेरेपी से संबंधित चुनौतियां

- **साइटोकाइन रिलीज सिंड्रोम:** इसके चलते प्रतिरक्षा कोशिकाओं की अत्यधिक सक्रियता से तेज बुखार, अंगों की विफलता आदि हो सकते हैं।
- **न्यूरोटॉक्सिसिटी:** इससे भ्रम और दौरे से लेकर सेरेब्रल एडेमा व कोमा तक हो सकता है।
- **एंटीजन एस्केप:** ट्यूमर CAR-T सेल्स द्वारा लक्षित एंटीजन को परिवर्तित करके प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं, जिससे इलाज का असर कम हो सकता है।

यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र द्वारा भारत के लिए संभावित सूची में छह स्थलों/ स्मारकों को शामिल किया गया

किसी स्थल/ स्मारक को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने से पहले **उसे संबंधित देश की संभावित सूची में शामिल किया जाना अनिवार्य** होता है।

भारत के लिए संभावित सूची में शामिल छह स्थल/ स्मारक

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान	• **अवस्थिति:** बस्तर जिला (छत्तीसगढ़)। • इसका नाम **कांगेर नदी** के नाम पर रखा गया है। • यह **चूना पत्थर की गुफाओं और तीरथगढ़ जलप्रपातों** के साथ **कार्स्ट स्थलाकृति** के लिए प्रसिद्ध है।
मुदु मल महापाषाण मेन्हिर	• **महापाषाण (मेगालिथिक) खगोलीय वेधशाला तेलंगाना में कृष्णा नदी** के तट के निकट स्थित है। • मेन्हिर मानव निर्मित लंबवत रूप में स्थित **पत्थर है,** जो शीर्ष की ओर हल्का शंक्वाकार होता जाता है। • **ये लगभग** 3,500 से 4,000 वर्ष पुराने हैं।
मौर्य मार्गों में आने वाले अशोक के अभिलेख स्थल	• इनमें **वृहत शिलालेख, लघु शिलालेख, स्तंभ अभिलेख तथा अन्य अभिलेख और गुहा-अभिलेख** शामिल हैं। • इन्हें मौर्य सम्राट अशोक द्वारा **तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में उत्कीर्ण** कराया गया था।
चौसठ योगिनी मंदिर	• **अवस्थिति:** मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा। • इनमें **64 योगिनियों की प्रतिमाएं हैं और ये तांत्रिक पूजा-अर्चना** से संबंधित हैं। • **खजुराहो, बडोह और रिखियां में बने मंदिर आयताकार हैं, शेष सभी मंदिर गोलाकार हैं।**
उत्तर भारत में गुप्त मंदिर	• इनमें **नागर और द्रविड़** स्थापत्य शैली तथा **बौद्ध और हिंदू स्थापत्य** शैलियों के **तत्वों** का मिश्रण है। • मंदिरों की योजना मौलिक रूप से **वर्गाकार है।** इसमें परिक्रमा पथ के साथ **सपाट छत तथा शिखर कम ऊंचाई** के होते हैं। • इनका निर्माण **धूप में सुखाई गई ईंटों, टेराकोटा और बलुआ पत्थर** से किया गया है।
बुंदेलों के महल-किले	• इनमें **गढ़कुंडार किला, राजा महल, जहांगीर महल, दतिया महल, झाँसी का किला और धुबेला महल** सहित छह किले शामिल हैं। • ये **राजपूत और मुगल** स्थापत्य शैली का मिश्रण हैं।

भारत ने अन्वेषण लाइसेंस व्यवस्था के तहत महत्वपूर्ण खनिजों के लिए पहली अन्वेषण लाइसेंस नीलामी शुरू की

अन्वेषण लाइसेंस की शुरुआत **खान और खनिज (विकास और विनियमन) (MMDR) संशोधन अधिनियम, 2023 के लागू** होने के बाद की गई है। यह कदम 29 महत्वपूर्ण और गहराई में मौजूद खनिजों को खोजने एवं पूर्वेक्षण में **निजी भागीदारी की अनुमति** देने के लिए उठाया गया है।

- यह नीलामी **13 अन्वेषण लाइसेंस ब्लॉक्स पर केंद्रित** होगी। इनमें **दुर्लभ भू-तत्व (Rare Earth Elements), जस्ता, तांबा और हीरे जैसे महत्वपूर्ण खनिज** शामिल हैं।
- नीलामी का उद्देश्य **खनिज अन्वेषण में तेजी लाना, निवेश आकर्षित करना, आयात कम करना और स्वच्छ ऊर्जा एवं उद्योग का समर्थन** करना है।

महत्वपूर्ण (क्रिटिकल) खनिजों के बारे में

- किसी खनिज को महत्वपूर्ण या क्रिटिकल तब माना जाता है, जब **आपूर्ति की कमी का जोखिम और अर्थव्यवस्था पर उसका संबंधित प्रभाव अन्य कच्चे माल की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक** होता है।
- इनमें **धात्विक तथा अधात्विक,** दोनों तरह के तत्व शामिल हैं। गौरतलब है कि इन तत्वों की किसी भी **देश की आर्थिक या राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका** मानी जाती है।
- **खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (1957)** के जरिए केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण खनिजों के लिए खनन पट्टे एवं समग्र लाइसेंस की नीलामी करने का अधिकार प्रदान किया गया है।
- **उपयोग:**
  - **स्वच्छ प्रौद्योगिकियां:** जैसे इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, बैटरी, संक्षारण प्रतिरोधी मिश्र धातु आदि में **कोबाल्ट** का उपयोग।
  - **सूचना और संचार:** जैसे सेमीकंडक्टर्स, इंटीग्रेटेड सर्किट्स और LED में **गैलियम** का उपयोग।
  - **एडवांस मैन्युफैक्चरिंग:** जैसे सुपर एलॉय, कैटेलिस्ट प्रीकर्सर आदि में **हैफनियम** का उपयोग।

महत्वपूर्ण खनिजों के खनन से जुड़ी चिंताएं

- यदि खनन को सही तरीके से प्रबंधित नहीं किया गया, तो यह जल संसाधनों को गंभीर रूप से प्रदूषित और समाप्त कर सकता है।
  - **महत्वपूर्ण खनिजों की 16% खदानें, भंडार और जिले अत्यधिक जल संकटग्रस्त क्षेत्रों** में स्थित हैं।
- **उच्च अन्वेषण लागत और सीमित निवेश।**
- **भू-राजनीतिक चुनौतियां,** जैसे चिली और पेरू में खनन उद्योग को क्षेत्रीय राजनीतिक अस्थिरता से उत्पन्न होने वाले जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है।

महत्वपूर्ण खनिजों के खनन के लिए उठाए गए कदम

MMDR संशोधन अधिनियम, 2023
लिथियम और निओबियम जैसे छह खनिजों को परमाणु खनिजों की सूची से हटाया गया है। इससे निजी क्षेत्रक की भागीदारी संभव हुई।

राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन
इसकी घोषणा बजट 2024-25 में की गई थी। इसका उद्देश्य घरेलू फर्मों को विदेशी महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों को सुनिश्चित करने और व्यापार को बढ़ावा देने में सहायता करना है।

राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (NMET)
इसने एक प्रतिपूर्ति योजना शुरू की है, जो पात्र अन्वेषण व्ययों का 50% तक कवर करती है।

पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (PMSGMBY) ने 10 लाख इंस्टॉलेशन पूरे करके बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की

पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (PMSGMBY) **नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** के तहत शुरू की गई है। इसे **2024** में शुरू किया गया था। यह **'दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू रूफटॉप सौर ऊर्जा पहल'** है। यह पहल **भारत के ऊर्जा परिदृश्य में परिवर्तन** ला रही है।

- PMSGMBY के तहत सरकार ने **6.13 लाख लाभार्थियों को 4,770 करोड़ रुपये** की सब्सिडी वितरित की है।
- **चंडीगढ़ तथा दमन और दीव** ने अपने सरकारी भवनों पर सोलर पैनल लगाने का 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है।
- **गुजरात** सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन में **शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य** है। इसके बाद **केरल और उत्तर प्रदेश** का स्थान आता है।

PMSGMBY के बारे में

- **उद्देश्य:**
  - घरों पर **रूफटॉप सोलर (RTS) प्रणाली** स्थापित करना।
  - **1 करोड़ परिवारों को प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली** प्रदान करना।
- **अवधि:** इसे **वित्त वर्ष 2026-27 तक लागू** किया जाएगा।
- **पात्रता:** केवल आवासीय उपभोक्ता या आवासीय कल्याण समितियां (RWAs)।
  - आवासीय परिवारों को-
    - **2 किलोवाट तक 30,000 रुपये** प्रति किलोवाट,
    - **3 किलोवाट** तक अतिरिक्त क्षमता के लिए **18,000 रुपये** प्रति किलोवाट, तथा
    - **3 किलोवाट से अधिक** क्षमता के लिए **78,000 रुपये** की कुल सब्सिडी मिलती है।
  - RWAs को सामान्य सुविधाओं के लिए **18,000 रुपये प्रति किलोवाट** की **सब्सिडी** मिलती है।
- **वित्त-पोषण:** 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के माध्यम से **6.75% की रियायती ब्याज दर पर 2 लाख रुपये तक का जमानत-मुक्त (Collateral-free) ऋण** प्रदान किया जाता है।
- **आदर्श सौर ग्राम का निर्माण:** PMSGMBY के तहत **हर जिले में एक गांव** को आदर्श सौर ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि सौर ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा दिया जा सके।
  - इसके लिए पात्रता प्राप्त करने हेतु गांव को **5,000+ जनसंख्या (विशेष श्रेणी के राज्यों में 2,000+) वाला राजस्व गांव** होना चाहिए।

PMSGMBY का प्रभाव

- **नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार:** 2027 तक आवासीय छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों के इंस्टॉलेशन के माध्यम से 30 GW सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ने की उम्मीद है।
- **सरकारी बचत:** सरकार को बिजली की लागत पर सालाना 75,000 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है।
- **पर्यावरणीय लाभ:** प्रत्येक सौर ऊर्जा संयंत्र 100 वृक्ष लगाने के बराबर कार्बन उत्सर्जन की भरपाई करता है।
- **रोजगार:** 17 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

अन्य सुर्ख़ियां

केसर

शिलांग (मेघालय) में उत्तर-पूर्वी प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं प्रसार केंद्र (NECTAR) के परिसर की आधारशिला रखी गई। इससे **पूर्वोत्तर में केसर की खेती को बढ़ावा** मिलेगा।

- NECTAR **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त निकाय** है।

केसर के बारे में

- यह एक प्रकार का **मसाला है, जो क्रोकस सैटाइवस पौधे के बैंगनी फूलों के वर्तिकाग्र (stigma)** से प्राप्त होता है।
- इसे **लाल सोना** भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें **क्रोकेटिन** की मात्रा के कारण इसके **वर्तिकाग्र का रंग सामान्यतः नारंगी-लाल** होता है।
- **खेती:** इसकी खेती **मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर (GI टैग वाला केसर), हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक** में की जाती है।
  - **मिशन केसर** पहल ने **सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय** में केसर की खेती का विस्तार किया है।

सुपरसॉलिड

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने पहली बार **प्रकाश को 'सुपरसॉलिड' में परिवर्तित** किया है।

- अब तक, सुपरसॉलिडिटी केवल **बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट्स (BECs)** में देखी गई थी।
  - BEC पदार्थ की एक अवस्था है। यह तब निर्मित होती है, जब **बोसॉन नाम के कणों को परम शून्य तापमान पर ठंडा** किया जाता है। इससे वे **समान क्वांटम अवस्था** में आ जाते हैं।

सुपरसॉलिड के बारे में

- यह पदार्थ की एक दुर्लभ अवस्था है। इसमें **पदार्थ ठोस की तरह दिखाई देता है और बिना घर्षण के प्रवाह का गुण** भी दर्शाता है।
- सुपरसॉलिड्स को **क्वांटम यांत्रिकी** द्वारा परिभाषित किया जाता है। इसके अनुसार, इस अवस्था में **पदार्थ के कण एक व्यवस्थित, क्रिस्टलीय ठोस में संघनित होते हैं, लेकिन तरल की तरह बिना श्यानता (viscosity) के प्रवाहित** भी होते हैं।
  - श्यानता किसी पदार्थ के आंतरिक घर्षण को संदर्भित करती है, जो यह नियंत्रित करता है कि कितनी सहजता उसका बहाव होता है।
- सुपरसॉलिड्स को बनने के लिए **बेहद कम तापमान- आमतौर पर परम शून्य के बहुत करीब** तापमान की आवश्यकता होती है।
- **उपयोग:** क्वांटम कंप्यूटिंग, सुपरकंडक्टर्स, घर्षण रहित स्नेहक, आदि।

हूती विद्रोही

हाल ही में, **संयुक्त राज्य अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ अचानक हवाई हमले** किए।

हूती विद्रोहियों के बारे में

- हूती एक **सशस्त्र राजनीतिक और धार्मिक समूह** है। इसे पहले **अंसार अल्लाह** के नाम से जाना जाता था।
  - ये **शिया इस्लाम** की एक शाखा **जैदी इस्लाम** का पालन करते हैं।
- ये **ईरान-प्रेरित "एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस"** का हिस्सा हैं, जो **इजरायल और पश्चिमी देशों के खिलाफ** एक सैन्य गठबंधन है। इसमें **हमास और हिज़्बुल्लाह** भी शामिल हैं।
- **2014** के अंत में यमन में गृह युद्ध शुरू हो गया था, तब हूती विद्रोही ने **यमन की राजधानी सना पर कब्जा** कर लिया था।

बोंगो सागर 2025

भारत-बांग्लादेश नौसैनिक अभ्यास "बोंगो सागर 2025" और समन्वित गश्त अभ्यास बंगाल की खाड़ी में आयोजित किए गए थे।

- बोंगो सागर अभ्यास में **भारतीय नौसेना की ओर से INS रणवीर** ने भाग लिया था।
- **बोंगोसागर का पहला संस्करण 2019** में आयोजित किया गया था।

भारत और बांग्लादेश के बीच अन्य द्विपक्षीय अभ्यास:

- **अभ्यास सम्प्रीति:** यह **वार्षिक संयुक्त सैन्य** अभ्यास है।
  - इसमें **आतंकवाद-रोधी अभियान, आपदा प्रतिक्रिया और सैन्य सहयोग** पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

पीएम-युवा 3.0

शिक्षा मंत्रालय ने **"युवा लेखकों को मार्गदर्शन देने के लिए प्रधान मंत्री योजना (पीएम-युवा 3.0)"** शुरू की है।

पीएम-युवा 3.0 के बारे में

- **उद्देश्य:** पढ़ने, लिखने और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 30 वर्ष से कम उम्र के युवा लेखकों को प्रशिक्षित करना।
- **चयन एवं प्रशिक्षण प्रक्रिया:** अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से 50 लेखकों का चयन किया जाएगा।
- **कार्यान्वयन:** भारत का **नेशनल बुक ट्रस्ट** कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में सुनियोजित मार्गदर्शन सुनिश्चित करेगा।
- **महत्त्व:** यह सांस्कृतिक और साहित्यिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर **एक भारत, श्रेष्ठ भारत को मजबूती** प्रदान करेगी।

पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य

पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में **तामुलिदोबा बील** का सूखना चिंता का कारण बनकर उभरा है।

पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- **अवस्थिति और भू-परिदृश्य:** यह **असम के मोरीगांव जिले में ब्रह्मपुत्र नदी के बाढ़ के मैदानों** में स्थित है।
  - इसमें **राजामायोंग रिजर्व फॉरेस्ट और पोबितोरा रिजर्व फॉरेस्ट** भी शामिल हैं।
- **गेंडों का सर्वाधिक घनत्व:** विश्व में **"विशाल एक सींग वाले गैंडे" का सर्वाधिक घनत्व यहीं** पर है।
- **वनस्पति और जीव:** पोबितोरा के **घास के मैदानों** में विशाल एक सींग वाला गैंडा, वन्य जल भैंस, मॉनिटर लिजार्ड, जंगली सूअर आदि पाए जाते हैं।
- इसे **1987 में वन्यजीव अभयारण्य** घोषित किया गया था।

पुनर्बीमा (Reinsuranc)

वैल्यूएटिक्स री (Valueattics Re) भारत में पुनर्बीमा कारोबार शुरू करने के लिए IRDAI (भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण) से मंजूरी पाने वाली **पहली निजी कंपनी** बन गई है ।

- वर्तमान में, सार्वजनिक क्षेत्रक की **जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (GIC Re) भारत में कार्यरत एकमात्र** पुनर्बीमा कंपनी है।

पुनर्बीमा के बारे में

- पुनर्बीमा एक **जोखिम प्रबंधन पद्धति** है। इसमें **बीमा कंपनियां** स्वयं को बड़े वित्तीय नुकसान से बचाने के लिए अपने जोखिम का एक हिस्सा किसी **अन्य बीमा कंपनी (रीइंश्योरर/ पुनर्बीमाकर्ता) को हस्तांतरित** कर देती है।
- **विनियामक:** भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)।
- **कानून:** इसे **बीमा अधिनियम, 1938 और IRDAI (पुनर्बीमा) विनियम, 2018** के तहत प्रबंधित किया जाता है।

बलूचिस्तान

पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत बलूचिस्तान हाल ही में बढ़ती हिंसा का केंद्र बन चुका है।

बलूचिस्तान के बारे में

- **सामरिक अवस्थिति:** यह **होर्मुज जलडमरूमध्य** के मुहाने पर स्थित है। साथ ही, इसकी सीमा **ईरान (पश्चिम में), अफगानिस्तान (उत्तर में) और अरब सागर (दक्षिण में)** से लगती है।
  - **चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC)** के लिए काफी महत्वपूर्ण डीप सी वाटर पोर्ट **ग्वादर** भी इसी क्षेत्र में स्थित है।
- **प्राकृतिक संसाधन:** यह **प्राकृतिक गैस, कोयला, तांबा और सोने** से समृद्ध है।
- **सांस्कृतिक विरासत: मेहरगढ़** (विश्व की सबसे पुरानी ज्ञात बस्तियों में से एक), **मकरान तट के पेट्रोग्लिफ्स** (पत्थर पर उकेर कर बनाई गई आकृतियां) आदि।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

सीरिया (राजधानी: दमिश्क)

सीरिया में संघर्ष के दौरान **अलावी अल्पसंख्यकों** पर हमला हुआ।

सीरिया के बारे में

- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - यह **पश्चिम एशिया** में अवस्थित है।
  - **सीमावर्ती देश:** इसके उत्तर में **तुर्की;** पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व में **इराक;** दक्षिण में **जॉर्डन;** तथा दक्षिण-पश्चिम में **इजरायल एवं लेबनान** स्थित हैं।
  - **सीमावर्ती जल निकाय:** इसके पश्चिम में **भूमध्य सागर** है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **प्रमुख भौतिक क्षेत्र:** सीरियाई मरुस्थल, यूफ्रेट्स नदी घाटी, और **एंटी-लेबनान पर्वत** (लेबनान और सीरिया की सीमा बनाता है)।
  - **प्रमुख नदियां:** यूफ्रेट्स, ओरोंटेस, टिग्रिस आदि।
  - **उच्चतम बिंदु:** माउंट हर्मन।
  - **संघर्षरत प्रमुख शहर:** अलेप्पो, होम्स, इदलिब, गोलन हाइट्स (इजरायल के साथ विवादित क्षेत्र) आदि।